Nagarjuna Konda (hill) is a historical town, now an island, located in Sagar backwater. Due to submersion, a museum was built on hilltop which houses a collection of relics of Buddhist culture and art. It is one of India's richest Buddhist sites. As Nagarjunasagar has become a tourism hub for national and international tourists, vehicle movement has increased many times. Presently, the road is just two-lane without divider due to which accidents occur very frequently.

Keeping in view the traffic congestion and for making it accident-free, this road must be made National Highway and developed into four-lane for smooth and easy travelling not only from Hyderabad but also from Chennai, Tirupati, Nellore and other cities. Therefore, I request the Government to accord National Highway status and allocate funds for four-laning of the Hyderabad-Nagarjunasagar-Macharla Road.

Demand for establishment of Institute of Higher Study on infrastructure in Uttarakhand

श्री नरेश बंसल (उत्तराखंड): महोदय ,उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में मलबा आ जाने से सुरंग में 41 मजदूर फंस गए थे ,जिन्हें 17 दिनों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाहर निकाला जा सका। आदरणीय प्रधान मंत्री ,नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई एवं मुख्य मंत्री ,धामी जी के सफल कार्यान्वयन से भारतीय सेना, NDRF, SDRF, GSI, CBRI, रुड़की ,वाडिया इन्स्टिट्यूट जैसी विभिन्न एजेंसियों ने मिलकर संयुक्त बचाव अभियान चलाया और वह सफल रहा। साथ ही ,बाबा बौखनाथ की कृपा से यह अभियान सफल हुआ। आदरणीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व को साधुवाद ,जिनके मार्गदर्शन में सभी टीमें इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को पूरा करने में सफल रहीं। ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ ,अर्नोल्ड डिक्स इसे अपने जीवन का 'सबसे कठिन' बचाव कार्य अभियान बताते हैं। यह घटना सुरंग निर्माण के विषय में चिंताएँ बढ़ाती है ,साथ ही संभावित कारणों और निवारक उपायों की बारीकी से जाँच करने के लिए प्रेरित करती है। सिलक्यारा सुरंग में मलबा आने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। हिमालय के पहाड़ काफी नए हैं और यहां की बदलती संरचना के कारण पैदा होने वाली अस्थिरता चिंता का विषय है। भूवैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तरी हिमालय क्षेत्र में ,जहाँ उत्तराखंड बसा है , वहां की चट्टानें अवसादी हैं। सुरंग बनाने हेतु चट्टानों की नाजुकता और मजबूती आदि की गहन पड़ताल करना जरूरी है।

अत: मेरा सरकार से निवेदन है कि हिमालयी क्षेत्र ,उत्तराखंड में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु उच्च अध्ययन केन्द्र स्थापित किया जाए ,ताकि उत्तराखंड इस तरह की आपदाओं और मौसम की मार को झेल सके।